

ASHA ARCHIVES

907

ASIA ARCHIVES







हनं कपालं त्रययाचिर्ग। पुर्वं विधं सदा दवी ॐ ध्यायतु वाग्मती गथा ॥ ध्याय  
 पूष्यं नमः ॥ वाग्मती आवाहनादि स्नान चन्दन अङ्गेन कृत्वा यवीम सु  
 ॥ अथाञ्जलि ॥ अहं सरे आनन्द ग किं ते नवानन्दवीनाधियमय हरे श्रीमहावि  
 द्यानाञ्जली श्रीवक्रसुनस्वमी वाग्मती दय्ये अथाञ्जलि पूष्यं पादुकां पूज  
 मि ॥ ३ ॥ वसिं ॥ शिशुस्तयानि यद्म मूढां ड गयित ॥ विन्द ॥ ॥ डो ३ नें ३ डो धी  
 योषद ॥ डो ३ ॥ ३ साने दाये नमः ॥ ॥ यत्तं एने पूजा ॥ ॥ श्रीवक्रा आदि  
 वसिं ॥ विन्द ॥ ३ ॥ वसिमास ॥ विन्द ॥ ॥ स्नान चन्दन सिंदूर अङ्गन यव  
 स यथायवीम पूष्य धूप दीप नैवेद्य रुत गांदूत ॥ अङ्गन आदि ॥

जाघ १०८ ॥ दया जाय ॥ ॐ ३ नें डो धी नें डो धी नें डो धी गी ३ साने दाये स्वा  
 ॥ ॥ स्नात ॥ यद्म पिभय उवाच ॥ नाहि कृत्तु समूह न नूडक ॥ द्विनिपिने  
 ॥ वाग्मती विष्णु गादवी जल मूर्ध्ने नमा मुग ॥ १ ॥ नूडकूजाम एतिया एग्यन  
 पयातिनी ॥ मणिमती निविख्या गाजल मूर्ध्ने नमा मुग ॥ २ ॥ नूडयादा हृद गं ए  
 स्नापना भवति नानूड धात्रि विख्या गाजल मूर्ध्ने नमा मुग ॥ ३ ॥ एका  
 गमिधिरिह्या पुववाह महेश्वरी ॥ वाग्मती नूड धात्रि मणिमती निवि  
 गा ॥ ४ ॥ नाना नूपां गध निष्पेय कायकू यनू विणी ॥ वद मूर्ध्ने महादवी  
 चका नूयन मा मु ॥ ५ ॥ वाग्मती पूरक हातं द्वर्म मऊ निवासिनी ॥ द्या







मृगदुर्गनिखनरुद्रवागमतीनदी। रागीनथ्याभगतदुर्गपविर्गतपु  
सं॥ वागमतीयखगीर्थयः स्त्राययतिमानवधकाश्चननविमाननननरुद्र  
कसंगकृति॥ यदुपतिपूनात्मकं॥ ॥ यायार्दपायकस्माणीति॥ अरु  
धदि॥ ॥ दवयातदक्षिणेक्षय॥ ॥ पूजावात्रिपूजादक्षिणमर्क॥  
दवागीवदि॥ ॥ आन्मारीखका॥ वंदनसिंदूरपूष्यआनिदास॥ ॥  
न्याससिकाया॥ विसर्जनयाय॥ ॥ सूर्यसाक्षि॥ ॥ इतिवागमतीद

नीवनस्नान॥ गंगाद्याशरितंश्रेष्ठनानापावपुनाशनं हृतकल्पापमुक्ता  
स्नानार्थंतेसुभौहताः॥ ॥  
उंडुस॥ ॥ ओम्बिधुपयोभूमौदिव्यांतरिक्षसर्वकेपयोधस्त्य  
विर्वनेक्षिरत्नामपुत्रौहताः॥ ॥  
धनिः॥ ॥ गोधेतावाहभिपुण्यमुमापतिधरेधरं तदुप्रोक्त  
पानित्यं सर्वपापक्षयार्थकं॥  
धनः॥ ॥ रुद्रितायाधुतंश्रेष्ठमहावेचयदुर्गंभास्करदे  
तांसर्वस्नानार्थंतेकपापनते॥



कलिः॥ ॥ मधुमक्षीकसीभूतः देवदिशु प्रमोदकः पापौघनास-  
नी मधुस्नानं प्रयाम्यहः॥ सावलः॥ ॥ स्नाने सुचेतसंभूतः सक-  
उडसादकः कामोपभोग्यप्राप्त्यर्थं ततस्नानं ठोकयामितेः॥  
मंत्रस्नानं॥ ॥ सुरशक्तिशिरोमार्गः ततस्नानं सुमुत्तमं मद्रिकिद्रि-  
दं पुण्यं मलिस्नानं ददाम्यहः॥ ॥ पुनस्नानं गंगायाः॥  
चैदनः॥ ॥ इदं मलयसंभूतं चैदनं हि मशितं विरजाक्षत्रची-  
गृहानममसिद्धयः॥ ॥ सिद्धः॥ ॥ बालेश्वरि महावीरः वीर-  
विभूषितः चैतोक्याकर्षणी देवः सिद्ध एरुतमुत्तमः॥

दृष्टिः॥ ॥ भग्नमत्यत्र पातालैः चतुर्दशभूमिकैः दिव्यचक्षुकुलप्रदं द-  
ष्टिकं ठोकयामितेः॥ ॥ जजमका॥ ॥ जज्ञेपवीतं परमं ब्रह्मसु-  
प्रतिष्ठितं गृहानदेवदेवेभिः प्रितित्वं परमेश्वरिः॥  
मालास्नानः॥ ॥ माल्यानीचसुगन्धानी माल्यानी विविधायनं म-  
हागतिपुण्यानी गृहेण विदित्वं श्रुतिः॥ ॥ चतुसधिः॥  
शिकोद्भवध्वजं चित्तामणिमुत्तमं मनोन्मत्तादिदेवेभिरुत्तमं पु-  
नृपतीः॥ ॥



कणवताः॥ कणार्धसुगलचैव. पताकावेणसंपुतः. दिव्यभोजनफल  
क. गृहानवरमेश्वरिः॥ ॥ पंचपताका॥ ॥ पंचपतापुतः  
पञ्चवर्णतेपंचभूतात्मनुप्रभा. पंचवर्णफलप्रदः. लोकवाग्नि  
श्वरिः॥ ॥ अदुर्बाल॥

मेवेदे॥ ॥ नाणारससमापुतः. नैवेय्यसादुपपुतः. वय्यार्थसिद्धस  
त्यानो. गृह्यतावरमेश्वरिः॥

सेसमधि॥ ॥ पकानेविदिसर्कमोदकारि. समन्वितफलांनत्रिवे  
कादिनी. गृहानवरमेश्वरिः॥ ॥ सिसाकदुः॥ ॥ फलोफलादि  
तासुतमिश्रकेरेदी. सर्वस. आस्रजडिम्यपकान. फलानी. प्रतिगृह्यता  
धुपः॥ ॥ अगृहगृहसुचैव. कर्पूरमृताधिय. धुपवासीचसर्वस.  
पोष्यप्रतिगृह्यताः॥ ॥ दिप॥ ॥ सुप्रकासप्रदीदिप. सर्वशक्तिम  
वह. सभाह्याभोगरजोति. दिपोष्यप्रतिगृह्यताः॥



नैविजलपुष्पायः ॥ ॥ हे ५ अखरोडे कलासानन्द. करेपरसुधात्मके  
सुखन्द. सुखदण्डमंत्र. निवेष्टुं कुरुपिणि अकलस्थामुताको  
सिद्धीशानकरेपटे अमृतमंत्र निवेदेहे. स्मिन्नुनस्त्र एषनि. अ  
नारुनसंकासं अरुतारुनसद्रव. अरुननिष्कटोयं. अरुनर  
माम्दहं. संसाटमोहिनी देवी. सृष्टिस्थितिकारिणि आयुपुत्रः  
सोभाग्यं मेजोदधिपटियए देवदेव्यासुखीतोयं. दपोहकालमंज  
नीः स्वयं चित्ताभयं दत्ता. पादुकादर्वेश्वरि. प्रह्लादि पृथुकाये

नसहिता. एजाचमाहेश्वरि. कोमारि निसिपावकस्यचमुद्रनाए  
णी. वामुदावतकालमोकसहितं. लक्ष्मीश्रमोतक्षकं. पृथुक्षेत्र  
पतितभेदचतुर्कं. नैलेसमं चोतमं. हेतुं सपरि. केसं. लवणं  
सस्थिताभेदं. साक्षादेवी सुखदुःखा. भगवति देवा सुखदुःखं  
ह्माजानुतर्पचकस्य हटिनी सानंदकारिसरा उषसा अकलाकि  
तिश्रमकला. सद्यगलीतोषिता. हेते देवकुलागर्वेन कथिता  
र्थं. सै सिद्धीदाः ॥ ॥ अभिवेक ॥ उकारे धृतिपादो हसल







याः पाणिः ॥ ॐ शौं हं पी वा रा ही द याः ॥ जी व ॐ ह स्ति त सर्व ह्रिया निवा द्य न द ॥  
॥ अथ मातृ का न्या सः ॥ अथ मातृ का न्या सः  
महती व मातृ वि निव सि ना य नी क न्य ॥ उ व क पी मा तृ का स व रू ती द य ता रु द  
थ ह ली वा ज सु वी ण क य ॥ रु रु मा तृ का न्या स वि नि था ग ॥ ॥ अथ न्या सः ॥ ॐ यं  
लं वं लं यं संहं लं दं ॐ ॥ अं सु य रु द ॥ क व लो ध नं ॥ ॐ कं रं गं दं ॐ ॐ सु धा  
नमः ॥ ॐ वं कं जं संहं ॐ ॐ नी रु नी न्या नमः ॥ डं टं रं उं टं लं डं मथ मा र्या नमः ॥  
थं दं थं नं जं अना मि का र्या नमः ॥ ॐ यं रं वं रं मं डो क ति षा र्या नमः ॥ ॐ यं रं  
नं यं संहं लं दं ॐ ॥ क व न ल य र्या नमः ॥ ॐ नि क व ॥ ॥ ॐ कं रं गं दं ॐ ॐ

या य नमः ॥ ॐ वं कं जं संहं ॐ ॐ नि व स र्वा हा ॥ डं टं रं उं टं लं डं नि र्वा ये वो व द ॥ नं  
दं थं नं जं क व वा य द ॥ ॐ यं रं वं रं मं डो न रु र या य व द ॥ ॐ यं रं लं वं लं व  
लं दं ॐ ॐ सु य रु द ॥ अथ धा नं ॥ य र्वा न लि पि ति वि रु क मू र्वा द य न म थः  
क मु ने र्वा स नी लि नि व द व ल्य स क ल मा यी न रु ग रु नी ॥ वि द्या म रु गु र्वा  
थ क ल स मू र्वा व रु र्वा व रु र्वा वि र्वा वि र्वा द य र्वा नि य र्वा वा ॥ य व ता मा  
॥ ॐ नमः ॥ नि व सि ॥ ॐ नमः ॥ मू र्वा व रु ॥ ॐ नमः ॥ द रु न रु ॥ ॐ नमः ॥ वा न न  
रु ॥ ॐ नमः ॥ द रु क रु ॥ ॐ नमः ॥ वा म क रु ॥ ॐ नमः ॥ द रु ना सा य रु ॥ ॐ  
नमः ॥ वा म ना सा य रु ॥ ॐ नमः ॥ द रु ना ॥ ॐ नमः ॥ वा मा ॥ ॐ नमः ॥ ॐ



ॐ नमः॥ अ॥ ध्या॥ ॐ नमः॥ उ॥ द॥ ग॥ न॥ य॥ को॥ ॐ नमः॥ अ॥ ध्या॥ द॥ ग॥ न॥ य॥ को॥  
॥ अ॥ नमः॥ नि॥ व॥ सि॥ ॥ अ॥ नमः॥ मू॥ ख॥ ॥ क॥ नमः॥ द॥ क॥ वा॥ दू॥ मू॥ ल॥ ॥ अ॥ नमः॥ द॥ क॥  
क॥ र्थ॥ ॥ न॥ नमः॥ म॥ लि॥ व॥ ॥ र्थ॥ नमः॥ द॥ क॥ मु॥ लि॥ मू॥ ल॥ ॥ नमः॥ द॥ क॥ मु॥ ल॥  
॥ व॥ नमः॥ वा॥ म॥ वा॥ दू॥ मू॥ ल॥ ॥ क॥ नमः॥ वा॥ म॥ क॥ र्थ॥ ॥ ज॥ नमः॥ वा॥ म॥ म॥ लि॥  
॥ नमः॥ वा॥ मा॥ मु॥ लि॥ मू॥ ल॥ ॥ नमः॥ वा॥ मा॥ मु॥ ल॥ ॥ नमः॥ द॥ क॥ द॥ य॥  
स॥ धि॥ ॥ र्थ॥ नमः॥ वा॥ म॥ जा॥ नो॥ ॥ नमः॥ वा॥ म॥ गु॥ ल॥ ॥ र्थ॥ नमः॥ वा॥ मा॥ मु॥ लि॥ मू॥ ल॥  
नमः॥ वा॥ म॥ या॥ दा॥ मु॥ ल॥ ॥ र्थ॥ नमः॥ द॥ क॥ या॥ ॥ नमः॥ वा॥ म॥ या॥ ॥ नमः॥ वा॥ म॥  
॥ धृ॥ ॥ नमः॥ ना॥ लो॥ ॥ नमः॥ उ॥ द॥ य॥ ॥ र्थ॥ नमः॥ ह॥ दि॥ ॥ नमः॥ द॥ क॥

॥ नमः॥ गी॥ व॥ ॥ व॥ नमः॥ वा॥ म॥ क॥ ॥ नमः॥ द॥ द॥ या॥ दि॥ द॥ क॥ ह॥ र्म॥ ॥ नमः॥  
॥ द॥ द॥ या॥ दि॥ वा॥ म॥ ह॥ र्म॥ ॥ स॥ नमः॥ द॥ द॥ या॥ दि॥ द॥ क॥ या॥ थ॥ ॥ नमः॥ द॥ द॥ या॥ दि॥  
म॥ या॥ द॥ ॥ नमः॥ ज॥ ०॥ व॥ ॥ नमः॥ स॥ र्वा॥ ॥ नमः॥ नि॥ न्या॥ सु॥ ॥ ॥ नमः॥  
का॥ न॥ ग॥ क॥ र्था॥ ग॥ ॥ ॥ य॥ दा॥ द॥ र्वा॥ ॥ सा॥ मा॥ या॥ र्थ॥ क॥ य॥ न॥ ॥ र्मो॥ रि॥ का॥ ग॥ व॥ र्म॥  
म॥ गु॥ ल॥ वि॥ लि॥ थ॥ ॥ क॥ धा॥ र्वा॥ र्म॥ क॥ य॥ ॥ क॥ लि॥ त॥ या॥ र्म॥ क॥ य॥ वि॥ वा॥ द॥  
कु॥ ल॥ न॥ धृ॥ न॥ थ॥ ॥ अ॥ कु॥ ल॥ स॥ र्वा॥ क॥ व॥ र्थ॥ ना॥ व॥ गु॥ ल॥ ॥ धा॥ म॥ ती॥ क॥ य॥ ॥  
य॥ दि॥ ना॥ धृ॥ न॥ थ॥ ॥ क॥ ल॥ न॥ वा॥ सा॥ न॥ धृ॥ जा॥ य॥ क॥ न॥ ल॥ वा॥ य॥ ॥ ॥ नमः॥  
ग्री॥ या॥ र्म॥ क॥ य॥ ॥ र्मो॥ रि॥ का॥ ग॥ व॥ क॥ ग॥ व॥ र्म॥ स॥ गु॥ ल॥ वि॥ लि॥ थ॥ ॥ ॥



ध्यानकथनमः॥ॐ तिस्रं पूज्य ॥ कालिगाध वंसे कथा ॥ पूज्य ॥ कौण्डिन  
मण्डलायनमः॥ॐ तिस्रं पूज्य ॥ तत्पुत्रं पुत्रं पार्श्वं काल्याध्वयं विवाक्यय  
पुत्रं मण्डलायनमः॥ॐ तिस्रं पूज्य ॥ पार्श्वं पूज्य ॥ मूलन ॥ नैव क्षात्रं पुत्रं पुत्रि ॥ पुत्र  
नंदत्वा पूज्य ॥ सैशाममण्डलायनमः॥ तत्पुत्रिकापवकालं विनाय ॥ वक्रा  
यत्तु (सैन्यं पूजनं) ॥ शिकाल ॥ हं ह आनन्दं नवाय सं ॥ आनन्दं नवीसहि  
यनमः॥ पूनर्मूलनपूजनं ॥ वन्दना कृत्यं दत्वा मूलन सक्रमजय ॥  
निमूढाय दत्तं ॥ तज्जलेनात्मानं निवर्तय ॥ वन्दनादिना सपूजनं ॥ गंगा  
वाहनं महादकन ॥ ॥ ततोऽथ वीरपूजनं ॥ कौण्डिन आध्यावगकथनं

पू॥ ३ अन्नका सनाययायू ॥ ३ कदाययायू ॥ ३ नाताययायू ॥ ३ यथाययायू  
पू॥ ३ यथाययायू ॥ ३ कालाययायू ॥ ३ कलिकाययायू ॥ ३ यथासनाय  
पू॥ नैव क्षात्रं सिंहासनाययायू ॥ ध्यानं ॥ ॥ नैव क्षात्रं सिंहासनाययायू ॥  
निविष्टं गीतं नवकां विनर्गं माहतां मध्यं सैशं कटिलसितमहं वि  
रक्तवर्मां गीतं वक्रं कथां हलमूलनवर्मां रीतिं स्वर्णवर्णं निवातां हलं  
भावां करितं कृतं महाभूतं कर्णं श्रद्धाय ॥ ध्यानं पूज्यायू ॥ नैव क्षात्रं आ  
नं कृत्यं सन्निवोधनं सन्निधानं अवष्टुभनं दिव्यधनं ॥ कालमूर्धादण  
॥ नैव क्षात्रं गीतं श्रीवावादीदयं दया ईनमः॥ ॥ वं मूलं गोवावा











दवी कर्यथ ॥ लाजामृष्टिनिष्ठा ॥ यावद्दाहासकलयादि ॥ ॥ तन्नामूलनय  
ॐ लिङ्गमदय ॥ जयमेकल्य ॥ जीवावादीषीत्यर्थयथागकिजयमदकपिथि ॥  
लनाष्टकवर्णनजय ॥ जयसमर्थन ॥ ॐ अतिष्ठकगामृष्टमिति ॥ ॥ तन्नाम  
नय ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥  
द्विष्टावालयना ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥  
संस्थावर्णन ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥  
नीकमलदुसोभति ॥ यायाहमिति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥  
॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥

समयकाय ॥ नयन ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥  
नकति ॥ चन्द्रनसिन्दुवसुधुनभाहनी ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥  
वमृष्टयादवी विसर्ज्य ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥  
नदिनिदिथ ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥  
हीदयायद्वनिसमार्थ ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥ ॐ नमस्तुति ॥



[illegible][illegible]